

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४९३/३३ (५२)

ग्रंथ नाम नारायण व्यक्तर
शिक्षा.

विषय मंगल

श्री

1

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय

हस्तध्यायनेः श्रीगणेशाय नमः

हस्तध्यायनेः श्रीगणेशाय नमः

पञ्चमस्तोत्रम् श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्लोक

2

समाचरण

समाचरण

समाचरण

| | | | |
|---|--------------------------|---|-----------------------------|
| १ | वसुधैव कुटुम्बकम् | १ | उद्विग्नपथपरिपथे |
| १ | स्येद्यन्नेयं पृथिवी | १ | उत्पुरुषात्वात्प्रायश्चित्त |
| १ | वेदेषु | १ | पाचयत्यस्येति |
| १ | कुम्भवाद्यन्नेयं | १ | जगदिन्द्रिये |
| १ | इन्द्रियमन्त्राद्यन्नेयं | १ | परिष्काराद्यन्नेयं |
| १ | नडावा | १ | इन्द्रियेन्द्रिये |
| १ | मन्त्राद्यन्नेयं | १ | इन्द्रियेन्द्रिये |
| १ | वसुधैव कुटुम्बकम् | १ | इन्द्रियेन्द्रिये |
| १ | यन्नेयं कुटुम्बकम् | १ | इन्द्रियेन्द्रिये |
| १ | इन्द्रियेन्द्रिये | १ | इन्द्रियेन्द्रिये |

| | | | |
|---|----------------------|---|----------------------|
| १ | नमःपुनःशुभ्रिच्छिवाय | १ | नमःशिवेतिदिशि |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | मनुष्यात्मगोप |
| १ | नमःशिवेतिशाब्दे | १ | स्वल्पमस्मिन् |
| १ | शुभ्रिच्छिवाय | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | दंष्ट्रांशिवेतिदिशि |
| १ | परममन्त्रेयचरुण | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | | शिव |
| १ | स्वल्पमस्मिन् | १ | दंष्ट्रांशिवेतिदिशि |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | दंष्ट्रांशिवेतिदिशि | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |

3A

३२

नमःशिवेतिदिशिशाब्दे

पुनःपुनःशुभ्रिच्छिवाय

| | | | |
|-----|----------------------|---|----------------------|
| नमः | नमः | | |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | दंष्ट्रांशिवेतिदिशि |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | मनुष्यात्मगोप |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |

उद्विष्टमदिग्दुःखीति

३

3B

उद्विष्टमदिग्दुःखीति

| | | | |
|-----|----------------------|---|----------------------|
| नमः | नमः | | |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |

उद्विष्टमदिग्दुःखीति

| | | | |
|-----|----------------------|---|----------------------|
| नमः | नमः | | |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |
| १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति | १ | उद्विष्टमदिग्दुःखीति |

3C

उद्विष्टमदिग्दुःखीति

प्रतिता प्रतिता
 १ उमेधेतोतोनवेवु १ उपिधितोलेधियाकन
 यत्रदण्डममल दण्डवधिधिमकदण्डम
 १ मेमिमोधायात्रधवा १ ममउदुदरररिपधम
 ममधरममममम धियापत्रदण्डममम

मिदण्णावुपमरररररररर

प्रतिता प्रतिता
 १ मेमममममममममम १ उमेधिवधम
 १ ममममममममममम १ ममममममममममम
 १ मममममममममममम १ ममममममममममम

वधयपुपुवामयशिररररररर

१ उमकाचपाधवा १ उहावपाधम
 १ रररररररररररररर १ ररररररररररररर
 उमयशिररररररररर

उमयेमममममममममम

मेममममममममममममम

१ मममममममममममम १ उमममममममममम
 १ मममममममममममम १ उमममममममममम
 मममममममममममम

ममयामममममममममम

प्रतिता प्रतिता
 १ उममममममममममम १ उमममममममममम
 १ मममममममममममम १ उमममममममममम
 मममममममममममम ममममममममममम
 मममममममममममम १ उमममममममममम
 मममममममममममम

उममममममममममममम

प्रतिता प्रतिता
 १ मममममममममममम १ उमममममममममम
 १ मममममममममममम १ ममममममममममम
 १ मममममममममममम १ ममममममममममम

(5)

उद्देश्यपुस्तकस्य प्रथमोऽध्यायः

शिक्षणस्य अर्थः

शिक्षणस्य परिभाषा

शिक्षणस्य लक्ष्यम्

शिक्षणस्य सामग्री

शिक्षणस्य विधयः

शिक्षणस्य मूल्यम्

गद्दशि १९६६

(11)

शिवेनपवित्रमस्योपिभक्तो
निराश्रयकरोयन्नोपराश्रय

वदु

उद्दुतास्यवेत्तुपुष्टिमेवैतयति

उद्विमलेनेनचानेकाद्विभक्त

लोकप्रसन्नयधमभिमोक्षानेकाद्विभक्त

(118)

द्विधमसिपुलद्वयव्यतिरिक्तमष्ट

द्विधमसिपुलद्वयव्यतिरिक्तमष्ट

उत्तमद्वयलक्षणमष्टमष्टमष्ट

नमोभक्तवैतिसमेष्टद्विभक्तो

सोऽप्युपवनातोऽप्युपवनातो

सोऽप्युपवनातोऽप्युपवनातो

(118)

तापद्वयमिदंतातोऽप्युपवनातो

गतिद्वयमिदंतातोऽप्युपवनातो

वदु

उद्विमलेनेनचानेकाद्विभक्त

लोकप्रसन्नयधमभिमोक्षानेकाद्विभक्त

द्विधमसिपुलद्वयव्यतिरिक्तमष्ट

(119)

तापद्वयमिदंतातोऽप्युपवनातो

गतिद्वयमिदंतातोऽप्युपवनातो

वदु

उद्विमलेनेनचानेकाद्विभक्त

लोकप्रसन्नयधमभिमोक्षानेकाद्विभक्त

द्विधमसिपुलद्वयव्यतिरिक्तमष्ट

१ देवप्रसादं द्वापरात् २
३ ~~...~~

~~...~~
मनुष्यप्राणागोपनावा

१ ह्यपात्तेनोदनात् १ दुलेनना
१ प्रविश्यापेननात् १ उलोनिना
२

~~...~~
ह्यस्य ह्यस्य

१ प्रचक्षुस्त्वित्वात् १ विप्रस्योपिप्रस्य
१ लपद्यस्त्वित्वात् १ वामद्वेषेपेदील्लवित्त
१ द्याकामिद्वित्वात् १ पथित्वात्पिपिपिपि
३ उन्मत्तादिमयोपेपेपे
उपेपेपेपेपेपेपे
द्वेषे
३

उपेपेपेपेपेपेपेपे

१ ह्यस्यवरागोपनात् १ प्रचक्षुस्त्वित्वात्
१ विप्रस्योपिप्रस्य १ वामद्वेषेपेदील्लवित्त
१ द्याकामिद्वित्वात् १ पथित्वात्पिपिपि
३ उन्मत्तादिमयोपेपेपे
उपेपेपेपेपेपेपे
द्वेषे
३

ह्यस्य ह्यस्य

१ उन्मत्तादिमयोपेपेपे १ पुत्रपत्न्यात्पुत्र
१ विप्रस्योपिप्रस्य १ उलोनिना
१ ह्यस्यवरागोपनात् १ लपद्यस्त्वित्वात्
उपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपे
पथित्वात्पिपिपिपिपिपिपिपिपिपिपिपि
उलोनिना
३

उपेपेपेपेपेपेपेपे

१ ह्यस्यवरागोपनात् १ विप्रस्योपिप्रस्य
१ लपद्यस्त्वित्वात् १ उलोनिना
१ उन्मत्तादिमयोपेपेपे १ पुत्रपत्न्यात्पुत्र
उपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपेपे
पथित्वात्पिपिपिपिपिपिपिपिपिपिपिपि
उलोनिना
३

१ वासुदेवविष्णुसंज्ञा १ अतिशय
१ १ अतिशयविष्णुसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ पश्या १ दुःखसंज्ञा
१ दोषसंज्ञा १ लोभसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ उन्मत्तविष्णुसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ 158 १ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ गणितसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ आचरति १ पश्याचरति
१ दारिद्र्यचरति १ अज्ञानसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ 159 १ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा

पराशरविष्णुसंज्ञा

१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा
१ अज्ञानसंज्ञा १ अज्ञानसंज्ञा



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com